I J C R M
International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

Research Article

सोजत शहर की मेहंदी उद्योग: इतिहास, कृषि, व्यवसाय और संभावनाएं

देवीलाल [1*], मोहम्मद इरफान [2]
[1] सहायक आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन राजकीय कन्या महाविद्यालय, पाली, राजस्थान, भारत
[2] सहायक आचार्य व्यावसायिक प्रशासन राजकीय महाविद्यालय,सोजत सिटी,पाली , राजस्थान, भारत

Corresponding Author: देवीलाल *

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.15865002

सारांश

सोजत शहर, राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित, विश्व भर में 'मेहंदी नगरी' के रूप में प्रसिद्ध है। यहां की मेहंदी को विशेष पहचान भारत सरकार से भौगोलिक संकेतक (GI Tag) के रूप में भी प्राप्त हो चुकी है। यह शोध-पत्र सोजत की मेहंदी उद्योग के ऐतिहासिक, कृषि आधारित, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक पक्षों का समग्र विश्लेषण करता है। सोजत की जलवायु, मिट्टी और पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ इस उद्योग को विशेष बनाती हैं। इस लेख में यह भी बताया गया है कि कैसे यह उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देता है, विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को, और कैसे यह वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही, इस उद्योग के समक्ष आने वाली चुनौतियों और संभावनाओं का भी विश्लेषण किया गया है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 12-06-2025
- **Accepted:** 05-07-2025
- **Published:** 11-07-2025
- **IJCRM:**4(4); 2025: 110-118
- **©2025, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

देवीलाल, मोहम्मद इरफान, सोजत शहर की मेहंदी उद्योग: इतिहास, कृषि, व्यवसाय और संभावनाएं. Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(4): 110-118.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

KEYWORDS: सोजत मेहंदी उद्योग, भौगोलिक संकेतक (GI Tag), मेहंदी प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण, कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मेहंदी का निर्यात और वैश्विक बाजार

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

परिचय

सोजत की मेहंदी उद्योग का अवलोकन भारत विविधताओं का देश है जहाँ हर क्षेत्र की अपनी सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान है। राजस्थान राज्य का एक छोटा सा शहर — सोजत — विश्व स्तर पर अपनी विशेष पहचान के लिए प्रसिद्ध है, और यह
पहचान किसी आधुनिक तकनीक या भारी उद्योग की नहीं, बल्कि एक पारंपरिक और सांस्कृतिक रूप से गहराई से जुड़ी हुई चीज़ — मेहंदी — से है। सोजत को आज पूरे भारत में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में 'मेहंदी नगरी' के नाम से जाना जाता है। यह न केवल एक कृषि आधारित उद्योग है, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रतीक भी बन चुका है, जो भारतीय त्योहारों, शादियों और सामाजिक परंपराओं का अनिवार्य हिस्सा है। मेहंदी जिसे अंग्रेजी में Henna कहा जाता है, एक प्राकृतिक वनस्पति है जिसका वैज्ञानिक नाम Lawsonia inermis है। इसके पत्तों को सुखाकर पीसने पर जो हरा पाउडर बनता है, वही मुख्य रूप से त्वचा सज्जा (body art), बालों को रंगने, और आयुर्वेदिक उपचार में काम आता है। सोजत शहर की जलवायु, मिट्टी और पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ मेहंदी की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल मानी जाती हैं। राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित सोजत शहर में मेहंदी की खेती का इतिहास कई दशकों पुराना है। यहाँ की क्षारीय मिट्टी और शुष्क जलवायु के कारण यहाँ उगाई जाने वाली मेहंदी में 'लॉसोन' नामक रंग द्रव्य की मात्रा अधिक होती है, जो इसे वैश्विक बाज़ार में विशेष स्थान दिलाती है। यही कारण है कि भारत सरकार ने 2021 में 'सोजत मेहंदी' को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया, जिससे इसकी गुणवत्ता और विशिष्टता को कानूनी सुरक्षा प्राप्त हुई।

इस शोध-पत्र का उद्देश्य सोजत शहर की मेहंदी उद्योग का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करना है। इसमें हम निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करेंगे:

1. सोजत शहर का ऐतिहासिक और भौगोलिक परिप्रेक्ष्य
2. मेहंदी की खेती की प्रक्रिया और कृषि तकनीक
3. प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण और GI टैग का महत्त्व
4. इस उद्योग का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव
5. निर्यात बाजार और व्यापार विश्लेषण
6. सांस्कृतिक उपयोग और आयुर्वेदिक महत्त्व
7. उद्योग की वर्तमान चुनौतियाँ और संभावनाएं
8. नीति सुझाव एवं भविष्य की रणनीति

आज सोजत की मेहंदी न केवल भारत में बल्कि अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका, और दक्षिण एशिया के देशों में भी निर्यात की जाती है। लगभग 125,000 से अधिक लोग, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएँ भी शामिल हैं, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। यह उद्योग राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल देने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। हालाँकि, इस क्षेत्र में संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, परंतु कई चुनौतियाँ भी सामने हैं — जैसे ब्रांडिंग की कमी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा, रासायनिक मेहंदी के कारण प्राकृतिक मेहंदी की मांग में उतार-चढ़ाव, और प्रोसेसिंग सुविधाओं का अभाव। इसलिए आवश्यकता है एक समग्र नीति की जो सोजत मेहंदी उद्योग को एक संगठित, टिकाऊ और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग के रूप में स्थापित कर सके।

ऐतिहासिक और भौगोलिक परिप्रेक्ष्य: -

राजस्थान का पाली ज़िला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध क्षेत्र रहा है। इस ज़िले का एक प्रमुख नगर सोजत (Sojat City), जो आज विश्वभर में मेहंदी की खेती और उत्पादन के लिए जाना जाता है, प्राचीन काल में "तम्रावती नगरी" के नाम से विख्यात था। समय के साथ यह नगर सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों से गुजरता हुआ आज "मेहंदी नगरी" के रूप में स्थापित हो चुका है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सोजत नगर की ऐतिहासिक जड़ें कई शताब्दियों पूर्व तक फैली हुई हैं। यह क्षेत्र कभी मेवाड़ और मारवाड़ रियासतों के अधीन रहा, और सामरिक दृष्टिकोण से यह एक प्रमुख स्थल रहा है। सोजत क़िला (Sojat Fort), जो नगर के मध्य एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित है, इस क्षेत्र के वैभवशाली इतिहास का प्रमाण है। यह क़िला प्राचीन काल में युद्धों और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह नगर सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध है। चामुंडा माता मंदिर, रामदेव मंदिर, महावीर स्वामी मंदिर, और बालाजी धाम जैसे धार्मिक स्थल यहाँ की धार्मिकता और सामाजिक संरचना को दर्शाते हैं।

भौगोलिक स्थिति और विशेषताएँ

सोजत नगर राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित है। यह शहर पाली–जोधपुर मार्ग पर बसा हुआ है और पाली मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भौगोलिक निर्देशांक के अनुसार इसकी स्थिति अक्षांश 25.92°N और देशांतर 73.67°E है। यह क्षेत्र अरावली पर्वतमाला की तलहटी में स्थित है, जो इसे एक विशेष पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करती है। सोजत की समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 257 मीटर है और यहाँ की जलवायु शुष्क व गर्म है। वर्षा की मात्रा अत्यंत सीमित होती है, लेकिन यही सीमित नमी और तेज़ धूप मेहंदी पौधे की वृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। यहाँ की क्षारीय मिट्टी (Alkaline Soil) और उसमें उपस्थित ताम्र (Copper) तत्व मेहंदी पत्तों में अधिक लॉसोन (Lawsone) तत्व उत्पन्न करने में मदद करते हैं — यही लॉसोन तत्व मेहंदी के रंग और गुणवत्ता का निर्धारण करता है।

मेहंदी उत्पादन के लिए अनुकूल वातावरण

सोजत शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों — जैसे रायपुर, जैतारण, सेंदड़ा, वंदेरी और पिपर — में मेहंदी की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। ये सभी क्षेत्र कम वर्षा, तेज़ धूप, और क्षारीय मिट्टी के कारण प्राकृतिक रूप से इस फसल के लिए अनुकूल हैं।

मेहंदी की खेती के लिए ऐसे क्षेत्र आवश्यक होते हैं जहाँ तापमान 25 से 45 डिग्री सेल्सियस तक रहता हो और वर्षा सीमित हो। बहुत अधिक नमी या अधिक वर्षा मेहंदी पौधों के लिए हानिकारक मानी जाती है। यही कारण है कि सोजत क्षेत्र प्राकृतिक रूप से इस फसल के लिए एक "क्लाइमेटिक स्वीट स्पॉट" बन गया है।

परिवहन और बाज़ार की उपलब्धता

सोजत शहर रेलवे और सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। यहाँ एक रेलवे स्टेशन स्थित है जो प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त, पाली, अजमेर, जोधपुर और ब्यावर जैसे शहरों की

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

नज़दीकी, सोजत को एक व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करती है। मेहंदी की कृषि उपज मंडी यहाँ क्रय-विक्रय की मुख्य सुविधा प्रदान करती है। इस क्षेत्र की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे उद्योग आधारित मॉडल की ओर अग्रसर हो रही है, जिसमें मेहंदी प्रसंस्करण, पैकेजिंग, और निर्यात का बड़ा योगदान है। कृषि उपज मंडी में प्रतिदिन लगभग 140 से 150 टन मेहंदी पत्तों की खरीद-बिक्री होती है, जो इसकी उत्पादन क्षमता को दर्शाता है।

कृषि प्रोफ़ाइल और उत्पादन प्रक्रिया

मेहंदी की खेती एक विशिष्ट कृषि गतिविधि है, जो पारंपरिक तकनीकों के साथ आधुनिक सुधारों को समाहित करती है। सोजत शहर, जिसकी जलवायु, मिट्टी और भौगोलिक संरचना मेहंदी के लिए अत्यंत अनुकूल है, न केवल भारत में बल्कि विश्वभर में मेहंदी उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

क्षेत्र विस्तार और प्रमुख खेती क्षेत्र

वर्तमान में **सोजत शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों** में लगभग **60,000 हेक्टेयर** क्षेत्र में मेहंदी की खेती की जाती है। यह खेती मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में केंद्रित है:

- **सोजत**
- **रायपुर**
- **जैतारण**
- **सेंदड़ा**
- **ब्यावर**
- **पिपर**

मेहंदी की किस्में और उनकी विशेषताएँ

सोजत में उगाई जाने वाली मेहंदी प्राकृतिक रूप से उच्च गुणवत्ता वाली होती है। इसकी विशेषता है इसमें पाया जाने वाला लॉसोन (Lawsone) तत्व, जो एक प्रकार का डाई (रंगद्रव्य) होता है। सोजत की मेहंदी में लॉसोन की मात्रा 2% से लेकर 3.5% तक पाई जाती है, जो इसे अन्य स्थानों पर उगाई जाने वाली मेहंदी से बेहतर बनाती है।
कुछ प्रचलित किस्में हैं:

- **देशी किस्म** – सामान्य रूप से पारंपरिक मेहंदी
- **रंगवाली मेहंदी** – जिसमें लॉसोन अधिक मात्रा में होता है
- **काला मेहंदी मिश्रण** – जो आमतौर पर प्राकृतिक नहीं होता लेकिन कुछ उत्पादक करते हैं

खेती की प्रक्रिया

1. भूमि की तैयारी

मेहंदी की खेती के लिए **रेतीली-लोम मिट्टी**, जिसमें जल निकास की अच्छी सुविधा हो, सबसे उपयुक्त मानी जाती है। खेत की जुताई जून माह में की जाती है। खेत को समतल कर उसमें गोबर की खाद मिलाई जाती है।

2. बीज या कलम से रोपण

मेहंदी का रोपण मुख्यतः **कलम** द्वारा किया जाता है। इन कलमों को खेतों में लगभग 1.5–2 फीट की दूरी पर लगाया जाता है। जून–जुलाई का समय रोपण के लिए आदर्श होता है।

3. सिंचाई और देखभाल

मेहंदी एक सूखा-सहिष्णु पौधा है। इसकी सिंचाई सीमित मात्रा में करनी होती है। अत्यधिक पानी पौधों को नुकसान पहुंचा सकता है। आमतौर पर मानसून की वर्षा पर्याप्त होती है, लेकिन अत्यधिक गर्मी में एक-दो बार सिंचाई की आवश्यकता हो सकती है।

4. रोग और कीट नियंत्रण

मेहंदी पौधा स्वाभाविक रूप से कीट और रोगों के प्रति प्रतिरोधी होता है, लेकिन कुछ विशेष रोग जैसे *जड़ सड़न* या *पत्तियों का झुलसना* दिखाई देते हैं। इसके लिए जैविक कीटनाशकों और नीम आधारित घोलों का प्रयोग किया जाता है।

5. कटाई (हर्वेस्टिंग)

मेहंदी की पहली कटाई लगाने के 5 से 6 महीने बाद की जाती है। एक पौधे से साल में 2 से 3 बार पत्तियाँ काटी जा सकती हैं। कटाई हमेशा **हाथों से** की जाती है ताकि पत्तियाँ क्षतिग्रस्त न हों।

6. सुखाना और ग्रेडिंग

पत्तियों को साफ करने के बाद **खुले आंगन या छायायुक्त स्थानों** में सुखाया जाता है। अच्छी गुणवत्ता की पत्तियाँ अलग की जाती हैं और फिर उन्हें 3–4 बार छाना जाता है ताकि मिट्टी, डंठल या अन्य कचरे को हटाया जा सके।

कृषि उपज मंडी और व्यापार प्रक्रिया

सोजत में स्थित कृषि उपज मंडी मेहंदी किसानों और व्यापारियों के लिए एक प्रमुख केंद्र है। यहाँ प्रतिदिन लगभग 140–150 टन पत्तियाँ क्रय-विक्रय के लिए आती हैं। मंडी में ग्रेडिंग, नमी प्रतिशत, रंग की गुणवत्ता आदि के आधार पर मूल्य निर्धारित होता है। औसतन 1 किलो सूखी मेहंदी पत्ती की कीमत ₹60–₹120 तक हो सकती है, गुणवत्ता के अनुसार।

प्रसंस्करण (Processing)

मेहंदी की पत्तियों को सुखाने के बाद पीसा जाता है, और फिर अलग-अलग स्तरों पर फिल्टर किया जाता है:

- **प्रथम स्तर:** मोटे छन्ने से छंटाई
- **द्वितीय स्तर:** बारीक छन्ने से छंटाई
- **तृतीय स्तर:** माइक्रो फिल्टरिंग – इससे BAQ (Body Art Quality) प्राप्त होती है

इस प्रक्रिया के बाद मेहंदी को पैक कर स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में भेजा जाता है।

किसानों की भूमिका और चुनौतियाँ

- अधिकांश किसान छोटे और मध्यम स्तर के हैं
- सिंचाई सुविधा और तकनीकी मार्गदर्शन की कमी
- सरकारी योजनाओं की जानकारी और पहुँच में कमी
- बीज और कलम की गुणवत्ता एक बड़ी समस्या

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण और GI टैग का महत्त्व

सोजत की मेहंदी केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका महत्व तब और अधिक बढ़ जाता है जब हम इसकी प्रसंस्करण (Processing), गुणवत्ता नियंत्रण (Quality Control), और भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication - GI) टैग के महत्त्व को समझते हैं। यही कारक इस क्षेत्र की मेहंदी को वैश्विक बाज़ार में पहचान दिलाने में सहायक होते हैं।

प्रसंस्करण की प्रक्रिया

प्रसंस्करण के विभिन्न चरण इस प्रकार हैं:

1. सुखाने की प्रक्रिया

कटाई के बाद मेहंदी की पत्तियाँ **खुली धूप में या छायायुक्त स्थानों** पर 3–4 दिन तक सुखाई जाती हैं। यह सुनिश्चित किया जाता है कि पत्तियों में किसी भी प्रकार की नमी न रह जाए। नमी रह जाने पर पत्तियों में फफूंदी लग सकती है, जिससे उनकी गुणवत्ता प्रभावित होती है।

2. छंटाई और सफाई

सूखी पत्तियों को छांटकर डंठल, मिट्टी, और अन्य अशुद्धियाँ अलग की जाती हैं। इसके लिए विभिन्न स्तरों की छन्नियों (sieves) का उपयोग किया जाता है।

3. पीसना (Grinding)

पत्तियों को विशेष मशीनों की सहायता से पिसा जाता है। पीसने के दौरान तापमान को नियंत्रित रखा जाता है ताकि लॉसोन तत्व नष्ट न हो।

4. फिल्टरिंग (Filtering)

मेहंदी पाउडर को 3–4 स्तरों पर छाना जाता है। इससे **Body Art Quality (BAQ)** मेहंदी प्राप्त होती है।

- प्रथम स्तर: सामान्य पाउडर
- द्वितीय स्तर: फाइन पाउडर
- तृतीय स्तर: माइक्रो फाइन BAQ पाउडर (हेयर कलर, टैटू आदि के लिए उपयुक्त)

5. पैकेजिंग (Packaging)

फिल्टर की गई मेहंदी को **एयर-टाइट पैकेट्स** में पैक किया जाता है ताकि नमी या ऑक्सीजन से उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित न हो। कुछ उत्पादक **वैक्यूम पैकिंग** और **नाइट्रोजन फ्लशिंग** तकनीक का उपयोग भी करते हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण

सोजत की मेहंदी को विश्व बाज़ार में ख्याति दिलाने के पीछे उसकी गुणवत्ता का विशेष योगदान है। गुणवत्ता नियंत्रण की कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं:

1. लॉसोन कंटेंट की जाँच

लॉसोन वह तत्व है जो मेहंदी का रंग तय करता है। उच्च लॉसोन वाली मेहंदी अधिक रंग छोड़ती है। सोजत की मेहंदी में लॉसोन की मात्रा 2% से अधिक पाई जाती है जो इसे विश्व स्तरीय बनाती है।

2. रासायनिक मिलावट रहित उत्पादन

विश्व बाज़ार, विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका, केवल प्राकृतिक और केमिकल-फ्री मेहंदी को स्वीकार करता है। सोजत की मेहंदी इस मानक पर खरी उतरती है। कई निर्यातक कंपनियाँ ISO, HACCP और Organic Certifications प्राप्त करती हैं।

3. स्वच्छता और प्रयोगशाला परीक्षण

प्रसंस्करण इकाइयों में स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। उत्पाद को शिपमेंट से पहले विभिन्न प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराया जाता है – जैसे की नमी प्रतिशत, पीएच वैल्यू, धातु/सीसा की उपस्थिति, फफूंदी आदि।

GI टैग का महत्त्व

सोजत मेहंदी को GI टैग

सोजत मेहंदी को **14 सितंबर 2021** को भारत सरकार द्वारा GI टैग प्रदान किया गया।

- **जीआई रजिस्ट्रेशन संख्या:** 372
- **मान्य अवधि:** 2021–2028
- **आवेदनकर्ता संस्था:** सोविन्स इंडिया, जयपुर (प्राइवेट लिमीटेड)

GI टैग के लाभ

1. **प्रामाणिकता की गारंटी:** केवल सोजत क्षेत्र की मेहंदी को ही "सोजत मेहंदी" नाम से बेचा जा सकता है।
2. **निर्यात में बढ़त:** GI टैग से उत्पाद की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता बढ़ती है।
3. **कीमत में वृद्धि:** उपभोक्ताओं में विश्वास बढ़ने से उत्पाद की कीमत में सुधार होता है।
4. **कानूनी सुरक्षा:** अन्य जगहों पर बन रही नकली "सोजत मेहंदी" पर रोक लगाई जा सकती है।

प्रमुख मेहंदी प्रसंस्करण इकाइयाँ

सोजत शहर में कई प्रसंस्करण एवं निर्यातक कंपनियाँ स्थापित हैं जो आधुनिक मशीनों और उच्च गुणवत्ता मानकों के आधार पर कार्य करती हैं। इनमें प्रमुख नाम हैं:

- **सुमन गोल्ड मेहंदी उद्योग**
- **ताजमहल मेहंदी उद्योग**
- **ब्राइट हिना**
- **शिव मेहंदी उद्योग**
- **अल फालाह हर्बल्स**

सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

सोजत की मेहंदी केवल एक कृषि उत्पाद नहीं है, बल्कि यह एक स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार, सामाजिक संरचना का अभिन्न हिस्सा, और ग्रामीण आजीविका का सशक्त स्रोत है।

रोजगार सृजन में योगदान

सोजत की मेहंदी उद्योग ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 1.25 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार उपलब्ध कराया है। इन लोगों में किसान,

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

मज़दूर, प्रोसेसिंग यूनिट कर्मचारी, पैकेजिंग वर्कर्स, ट्रांसपोर्टर, थोक व्यापारी और निर्यातक शामिल हैं।

मुख्य श्रेणियाँ:

1. **किसान** – जो मेहंदी की खेती करते हैं।
2. **महिलाएँ** – छंटाई, पैकिंग और ग्रेडिंग कार्य में अग्रणी भूमिका।
3. **युवा** – मंडी में खरीदी-बिक्री, ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग कार्य में लगे हुए हैं।
4. **स्थानीय व्यापारी** – जो कच्ची और प्रसंस्कृत मेहंदी को देश-विदेश भेजते हैं।

आंकड़े (अनुमानित):

- 40,000 किसान
- 20,000 श्रमिक (छंटाई, प्रसंस्करण आदि में)
- 30,000 महिला कार्यकर्ता
- 15,000 व्यापारी व निर्यातक
- शेष – ट्रांसपोर्ट, पैकिंग, मार्केटिंग आदि में संलग्न

महिला सशक्तिकरण

सोजत की मेहंदी उद्योग ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी है। परंपरागत रूप से महिलाएँ खेतों में श्रम करती थीं, परंतु अब वे प्रसंस्करण, छंटाई, सुखाने और पैकिंग कार्यों में भी सक्रिय हैं।

प्रभाव:

- महिलाएँ स्वयं सहायता समूह बनाकर मेहंदी व्यापार कर रही हैं।
- पारिवारिक आय में वृद्धि से उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार हुआ है।
- कई महिलाओं ने अपने बच्चों को अच्छे विद्यालयों में दाखिला दिलाया है।
- कुछ महिलाएँ अब स्व-उद्यमिता (Entrepreneurship) की ओर अग्रसर हैं।

स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान

सोजत की मेहंदी उद्योग का वार्षिक आर्थिक मूल्य लगभग ₹4,000 करोड़ आँका गया है। यह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

योगदान क्षेत्र:

- कृषि उत्पादन
- प्रसंस्करण इकाइयाँ
- कच्चा माल की आपूर्ति श्रृंखला
- पैकेजिंग और ब्रांडिंग
- निर्यात और लॉजिस्टिक्स

व्यापार ढाँचा:

- **कृषक → व्यापारी → मंडी → प्रोसेसिंग यूनिट → थोक विक्रेता → निर्यातक**

यह पूरी **"वैल्यू चेन"** सोजत की स्थानीय अर्थव्यवस्था को चलायमान बनाए रखती है।

वैश्विक बाजार में भागीदारी

सोजत की मेहंदी का लगभग **90% हिस्सा 130 से अधिक देशों** में निर्यात होता है।

प्रमुख आयातक देश:

- संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)
- संयुक्त अरब अमीरात (UAE)
- सऊदी अरब
- फ्रांस
- जर्मनी
- ऑस्ट्रेलिया
- दक्षिण अफ्रीका

निर्यात से लाभ:

- विदेशी मुद्रा की आमद
- अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग
- वैश्विक गुणवत्ता मानकों को अपनाने की प्रवृत्ति
- स्थानीय उद्यमियों को वैश्विक बाज़ार में पहुँच

ग्रामीण विकास और जीवन-स्तर में सुधार

मेहंदी उद्योग ने सोजत और आसपास के गाँवों में **ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

सकारात्मक परिवर्तन:

- घरों में बिजली, पानी और पक्के रास्ते बढ़े हैं।
- शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी है; कई किसान परिवार अब बच्चों को उच्च शिक्षा दिला रहे हैं।
- स्वास्थ्य सेवाओं की माँग में वृद्धि हुई है।
- सड़क, बैंक, इंटरनेट, परिवहन सुविधाओं में सुधार

सामाजिक परिणाम:

- **गरीबी में कमी**
- **बाल विवाह और अशिक्षा में गिरावट**
- **ग्रामीण पलायन (Migration) में कमी**

- **उद्यमिता और नवाचार**

इस उद्योग ने सोजत के युवाओं को नई सोच, नवाचार और ई-कॉमर्स की ओर अग्रसर किया है। कई युवा अब:

- ऑनलाइन स्टोर चला रहे हैं
- ब्रांडेड मेहंदी उत्पाद बना रहे हैं
- सोशल मीडिया मार्केटिंग द्वारा अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से जुड़ रहे हैं
- हेयर केयर, स्किन केयर उत्पादों में मेहंदी को सम्मिलित कर रहे हैं

- **सामाजिक चुनौतियाँ**
- महिलाओं को **उचित वेतन** और **सुरक्षा** नहीं मिलती

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

- कई श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं – **बीमा, पीएफ और स्थायित्व का अभाव**
- **बच्चों की शिक्षा पर असर** – कुछ क्षेत्रों में बच्चे भी कार्य में लगाए जाते हैं
- कुछ इकाइयों में **स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों** की कमी

सांस्कृतिक और आयुर्वेदिक उपयोग
सांस्कृतिक महत्व
भारतीय परंपराओं में मेहंदी
मेहंदी भारतीय समाज में सौंदर्य, पवित्रता और शुभता का प्रतीक मानी जाती है। यह शरीर को शीतलता प्रदान करती है और मन को प्रसन्नता। यह परंपरा केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, पुरुष भी विवाह, उत्सव या धार्मिक अवसरों पर मेहंदी लगाते हैं।

प्रमुख अवसर जहाँ मेहंदी अनिवार्य मानी जाती है:
विवाह संस्कार:
- "मेहंदी की रस्म" भारतीय विवाहों का अनिवार्य अंग है।
- दुल्हन के हाथ-पाँव में सुंदर डिज़ाइन वाली मेहंदी लगाई जाती है।

- **त्योहार:**
  करवा चौथ, तीज, ईद, रक्षाबंधन, दीपावली जैसे पर्वों पर महिलाएँ मेहंदी लगाकर सजती हैं।
- मुस्लिम समुदाय में ईद पर पुरुष और महिलाएँ दोनों मेहंदी लगाते हैं।

- **धार्मिक अनुष्ठान:**
  देवी पूजन, शादी की पूजा, नवदुर्गा में महिलाएँ मेहंदी का प्रयोग करती हैं।

मेहंदी कला का विकास
सोजत की मेहंदी ने न केवल कच्चे माल के रूप में बल्कि मेहंदी डिज़ाइन कला में भी अहम भूमिका निभाई है।

प्रमुख डिज़ाइन शैलियाँ:
- भारतीय पारंपरिक शैली – जिसमें फूल-पत्तियाँ, धार्मिक चिह्न और दुल्हन-दूल्हा चित्रित होते हैं।
- अरबी शैली – bold लाइनों और खाली स्थान के साथ फैशनेबल डिज़ाइन।
- फ्यूजन स्टाइल (इंडो-अरेबिक) – जो आधुनिकता और परंपरा का संगम है।

डिजिटल युग में नवाचार:
- आजकल मेहंदी डिज़ाइनर्स सोशल मीडिया (Instagram, YouTube) के माध्यम से अपना हुनर साझा कर रहे हैं।
- डिजिटली प्रिंटेड मेहंदी टैटू भी लोकप्रिय हो रहे हैं।

आयुर्वेदिक उपयोग और औषधीय गुण
प्राचीन आयुर्वेद में मेहंदी को एक प्रभावशाली औषधि माना गया है। इसका प्रयोग त्वचा, बाल और आंतरिक स्वास्थ्य के लिए किया जाता है।

प्रमुख औषधीय गुण:
1. **शीतल प्रभाव** – शरीर को ठंडक पहुँचाता है, बुखार में राहत देता है।
2. एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल – त्वचा संक्रमण, दाद, खाज और फोड़े-फुंसी में उपयोगी।
3. बालों की देखभाल – बालों को पोषण देता है, रूसी और झड़ने की समस्या में लाभकारी।
4. व्रण (घाव) उपचार – मेहंदी का पेस्ट घावों पर लगाने से वे जल्दी भरते हैं।
5. दांत और मसूड़े – पुराने समय में लोग मेहंदी की टहनी का उपयोग दातून के रूप में करते थे।

मेहंदी आधारित आयुर्वेदिक उत्पाद:
- हर्बल हेयर कलर
- स्किन क्रीम और फेस पैक
- एंटीसेप्टिक लोशन
- मेहंदी ऑयल (खुशबू और रोग निवारण हेतु)

जैविक (ऑर्गेनिक) मेहंदी की ओर बढ़ता रुझान
आज की दुनिया में लोग रासायनिक उत्पादों के दुष्प्रभावों से सजग हो चुके हैं। इस कारण जैविक मेहंदी (Organic Henna) की माँग तेज़ी से बढ़ी है।

ऑर्गेनिक मेहंदी की विशेषताएँ:
- बिना रासायनिक मिलावट
- शुद्ध पत्तियों से निर्मित
- संवेदनशील त्वचा के लिए सुरक्षित
- पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रक्रिया

सोजत के कई उत्पादक अब GI टैग के साथ-साथ ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेहंदी का उत्पादन भी कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में उच्च मूल्य पर बिकती है।

मनोवैज्ञानिक और सौंदर्य उपयोग
मेहंदी न केवल शरीर को सजाती है, बल्कि यह मनोविज्ञान पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। अध्ययन बताते हैं कि मेहंदी की गंध तनाव को कम करने, मन को शांत करने, और प्रसन्नता उत्पन्न करने में सहायक होती है।

फैशन और ग्लैमर में स्थान:
- कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ और मॉडल मेहंदी का प्रयोग अपने लुक को निखारने के लिए करती हैं।
- विदेशों में भी मेहंदी टैटू और हेयर डाई के रूप में इसकी माँग बढ़ी है।

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

व्यापार और निर्यात विश्लेषण

सोजत की मेहंदी ने स्थानीय सीमाओं को पार करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड का रूप ले लिया है। इसकी उत्कृष्ट गुणवत्ता, प्राकृतिक शुद्धता, और भौगोलिक विशेषता ने इसे वैश्विक बाज़ार में एक प्रमुख निर्यातक उत्पाद बना दिया है।

व्यापारिक ढाँचा और प्रक्रिया ○

सोजत का मेहंदी उद्योग एक बहु-स्तरीय व्यापारिक ढाँचे पर आधारित है। इस ढाँचे में निम्नलिखित स्तर कार्यरत हैं:

- **किसान (उत्पादक):** मेहंदी की खेती करते हैं और पत्तियाँ काटकर मंडी में बेचते हैं।
- **मंडी व्यापारी:** किसानों से पत्तियाँ खरीदकर बड़े पैमाने पर प्रोसेसिंग यूनिट्स को भेजते हैं।

प्रसंस्करण इकाइयाँ: मेहंदी की छंटाई, पीसने, ग्रेडिंग और पैकेजिंग का कार्य करती हैं।

थोक व्यापारी (Whole-salers

ब्रांडेड/अनब्रांडेड मेहंदी को बड़े स्तर पर बेचते हैं।

निर्यातक (Exporters)

मेहंदी को अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों, वितरकों और कंपनियों को भेजते हैं।

वैश्विक निर्यात विश्लेषण

प्रमुख निर्यातक देश: सोजत से निर्यात होने वाली मेहंदी मुख्य रूप से निम्न देशों में जाती है

देश	उत्पाद प्रकार	उपयोग
संयुक्त अरब अमीरात (UAE)	हेयर कलर, टैटू मेहंदी	शादी, त्योहार, कॉस्मेटिक
संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)	ऑर्गेनिक मेहंदी, BAQ	टैटू, नेचुरल हेयर कलर
सऊदी अरब	सादे पाउडर, क्रीम	धार्मिक अवसर
जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन	पैक्ड ब्रांडेड मेहंदी	कॉस्मेटिक उत्पाद
ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका	हर्बल मेहंदी	आयुर्वेदिक चिकित्सा, फैशन

निर्यात आँकड़े (अनुमानित):

- **कुल वार्षिक निर्यात मूल्य:** ₹1000 करोड़+
- **कुल निर्यात मात्रा:** ~30,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष
- **अंतरराष्ट्रीय ब्रांड:** ~50+ ब्रांड्स जो "सोजत मेहंदी" के नाम से निर्यात करते हैं

व्यापारिक लाभ और मूल्य श्रृंखला

सोजत की मेहंदी एक हाई-वैल्यू एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट बन चुकी है। इसकी मूल्य श्रृंखला इस प्रकार है:

स्तर	कीमत (प्रति किलो अनुमानित)
किसान से मंडी तक	₹60–₹100
मंडी से प्रोसेसिंग यूनिट	₹100–₹150
ब्रांडेड उत्पाद के रूप में थोक बिक्री	₹200–₹300
निर्यात मूल्य (इंटरनेशनल FOB)	₹400–₹700+

इस प्रकार, सही पैकेजिंग, ब्रांडिंग, और गुणवत्ता परीक्षण के साथ एक किलो मेहंदी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में ₹700 या उससे अधिक तक बिकती है।

निर्यात प्रक्रिया

1. **प्रोडक्ट चयन और ग्रेडिंग**
   - ○ लॉसोन कंटेंट के अनुसार ग्रेड तय होता है।
2. **सैंपल परीक्षण और सर्टिफिकेशन**
   - ○ GI टैग, Organic Certification, और Export License की आवश्यकता होती है।
3. **पैकेजिंग और लेबलिंग**
   - ○ अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार — बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग डेट, शेल्फ लाइफ आदि।
4. **कस्टम क्लियरेंस और लॉजिस्टिक्स**
   - ○ DGFT, APEDA, और SEZ जैसी संस्थाओं की मंज़ूरी।
5. **निर्यात माध्यम**
   - ○ कंटेनर शिपिंग, एयर कार्गो और ऑनलाइन डिलीवरी चैनल्स।

○ **प्रमुख ब्रांड्स और निर्यातक कंपनियाँ**

सोजत में दर्जनों निर्यातक कंपनियाँ हैं जो दुनिया भर में "सोजत मेहंदी" को प्रमोट कर रही हैं। इनमें प्रमुख नाम हैं:

- **सुमन गोल्ड मेहंदी**
- **वेलकम हर्बल**
- **ब्राइट हिना एक्सपोर्ट्स**
- **अलफालाह हर्बल्स**
- **शिव हर्बल**
- **राज मेहंदी इंडस्ट्रीज़**

इनमें से कुछ कंपनियाँ अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों जैसे ISO, GMP, HALAL, USDA Organic आदि के सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर चुकी हैं।

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार
कोविड-19 के बाद सोजत मेहंदी उद्योग में ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग का तेज़ी से विकास हुआ है।

प्रमुख प्लेटफार्म:
- **Amazon, Flipkart, India MART, Alibaba**
- **Instagram, Facebook Store, WhatsApp Business**

लाभ:
- सीधा ग्राहक से संपर्क
- ब्रांडिंग और वैश्विक पहुँच
- कम निवेश में ज़्यादा मुनाफा

चुनौतियाँ, समाधान तथा निष्कर्ष और सुझाव
सोजत की मेहंदी उद्योग ने कृषि, व्यापार, निर्यात, और सामाजिक विकास के क्षेत्र में अनुकरणीय सफलता प्राप्त की है। लेकिन इस सफलता के साथ कई व्यवस्थित और व्यवहारिक चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जो इसके सतत विकास में बाधक हैं।

प्रमुख चुनौतियाँ
नकली और मिलावटी मेहंदी का प्रसार
बाज़ार में अनेक नकली उत्पाद "सोजत मेहंदी" के नाम से बिक रहे हैं।
- इनमें मिलावट (केमिकल डाई, सिंथेटिक रंग) होने से असली उत्पाद की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है।

किसानों को मूल्य नहीं मिलना
- मंडी में मेहंदी की कीमतें अस्थिर रहती हैं।
- किसानों को श्रम के अनुरूप उचित लाभ नहीं मिल पाता।

प्रसंस्करण में तकनीकी पिछड़ापन
- अधिकतर प्रोसेसिंग यूनिट्स छोटे स्तर की हैं और पुराने उपकरणों का उपयोग करती हैं।
- आधुनिक तकनीकों की कमी से उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

GI टैग की जागरूकता का अभाव
- बहुत से किसान, व्यापारी और ग्राहक GI टैग के महत्व से अनजान हैं।
- इसका दुरुपयोग रोकने और लाभ सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

निर्यात में नियामक अड़चनें
- यूरोप और अमेरिका जैसे बाज़ारों में कीटनाशकों और हैवी मेटल्स की जांच के सख्त मानदंड हैं।
- कई बार निर्यात खेपें इन मानकों को पूरा नहीं कर पातीं।

मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा का अभाव
- अधिकांश मज़दूर असंगठित क्षेत्र में आते हैं।
- उन्हें स्थायी रोजगार, बीमा, पीएफ, चिकित्सा आदि सुविधाएँ नहीं मिलतीं।

संभावित समाधान
1. ब्रांड प्रमाणीकरण और QR कोड अनिवार्य किया जाए
- सभी ब्रांडों को GI टैग आधारित QR कोड का उपयोग करना चाहिए।
- इससे उपभोक्ताओं को असली उत्पाद की पहचान होगी।

2. किसानों को FPO (Farmer Producer Organization) से जोड़ा जाए
- FPO बनाकर किसान मिलकर प्रोसेसिंग और मार्केटिंग कर सकते हैं।
- इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और लाभांश बढ़ेगा।

3. प्रसंस्करण इकाइयों का आधुनिकीकरण
- सरकार तकनीकी अपग्रेडेशन के लिए सब्सिडी और प्रशिक्षण दे।
- ISO, GMP सर्टिफिकेशन हेतु मदद की जाए।

4. GI टैग पर व्यापक जनजागरूकता अभियान
- स्कूलों, मंडियों और व्यापार संघों में GI टैग की जानकारी दी जाए।
- उत्पाद पर "Only from Sojat – GI Certified" जैसी मुहिम चलाई जाए।

5. निर्यात के लिए Residue-Free खेती को बढ़ावा दिया जाए
- जैविक खेती, GAP (Good Agricultural Practices) अपनाई जाएं।
- निर्यातकों को residue testing के लिए सरकारी सहायता मिले।

6. मजदूर कल्याण योजनाएँ लागू की जाएँ
- मेहंदी उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के लिए विशिष्ट योजना बने।
- ई-श्रम कार्ड, स्वास्थ्य बीमा, और न्यूनतम वेतन लागू हो।

निष्कर्ष
इस शोध के माध्यम से निम्नलिखित महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए:
- सोजत देश की सबसे बड़ी मेहंदी मंडी है और यहाँ की मेहंदी में 3% तक लॉसोन पाया जाता है।
- 60,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में इसकी खेती होती है और लगभग 1.25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है।
- यह मेहंदी न केवल विवाह, त्योहारों और पूजा में इस्तेमाल होती है, बल्कि आयुर्वेदिक औषधियों में भी इसका स्थान है।
- GI टैग और ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन ने इसके निर्यात को बढ़ावा दिया है।
- लेकिन नकली उत्पाद, प्रसंस्करण में पिछड़ापन, किसानों की आय में असमानता और सामाजिक सुरक्षा की कमी जैसे मुद्दे इसके विकास में बाधा बन रहे हैं।

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

सुझाव

1. "सोजत मेहंदी" को अंतरराष्ट्रीय हर्बल ब्रांड के रूप में विकसित किया जाए।
2. स्थानीय युवाओं को डिजिटल स्किल्स और ई-कॉमर्स का प्रशिक्षण दिया जाए।
3. प्रत्येक किसान को जैविक प्रमाणन के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
4. मेहंदी पर आधारित आयुर्वेदिक शोध संस्थान की स्थापना हो।
5. हर साल 'सोजत मेहंदी महोत्सव' का आयोजन हो, जिससे पर्यटन और पहचान दोनों को बढ़ावा मिले।
6. मंडियों में मूल्य स्थिरता और MSP (Minimum Support Price) की नीति पर विचार हो।

संदर्भ

1. Rajasthan Nagar Palika Sojat City Portal [Internet]. Rajasthan: Sojat Municipality; Available from: https://sojat.rajasthan.gov.in/
2. Swadesi.com. GI Tag Details: Sojat Mehndi [Internet]. Available from: https://swadesi.com/
3. QuickHenna.com. Heritage Information on Sojat Mehndi [Internet]. Available from: https://quickhenna.com/
4. GrasshopperYatra.com. Sojat Mehndi Report [Internet]. Available from: https://grasshopperyatra.com/
5. Times of India. Sojat Mehndi Industry Interviews [Internet]. Available from: https://timesofindia.indiatimes.com/
6. Reddit. Henna Community Discussions on Sojat Mehndi [Internet]. Available from: https://www.reddit.com/r/henna/
7. Wikipedia. Sojat City Overview [Internet]. . Available from: https://en.wikipedia.org/wiki/Sojat
8. Suman Gold Industries. Company Website [Internet]. . Available from: https://sumangoldindustries.com/.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

About the Corresponding Author

देवीलाल सहायक आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन राजकीय कन्या महाविद्यालय, पाली, राजस्थान, भारतदेवीलाल वर्तमान में राजकीय कन्या महाविद्यालय, पाली में व्यावसायिक प्रशासन विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें व्यावसायिक प्रबंधन, उद्यमिता विकास, एवं संगठनात्मक व्यवहार जैसे विषयों में विशेष रुचि है। वे शिक्षण, अनुसंधान एवं छात्र सशक्तिकरण गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

© 2025 देवीलाल, मोहम्मद इरफान. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/